पोलारिस ने 10 लाख स्मार्ट मीटर निर्माण व इंस्टॉलेशन का आंकड़ा पार किया

स्मार्ट मीटर से ग्रिड प्रबंधन को मिलेगी मजबूती : शर्मा

जयपुर, 10 फरवरी (ब्यूरो): राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड (आरवीपीएन) के चेयरमैन अजिताभ शर्मा ने कहा कि अक्षय ऊर्जा की तेज बढ़ोतरी और बैटरी ऊर्जा भंडारण के विस्तार की योजनाओं के बीच स्मार्ट मीटर मांग में लचीलापन लाने और ग्रिड प्रबंधन में केंद्रीय भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटरिंग का वास्तविक लाभ सशक्त डेटा प्रबंधन प्रणालियों, एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म और विवेकपूर्ण निर्णय प्रक्रिया में निहित है, जिससे ग्रिड की दृश्यता बढ़ेगी और परिचालन दक्षता सुदृढ़ होगी। शर्मा जयपुर स्थित पोलारिस स्मार्ट मीटरिंग की

अत्याधुनिक इकाई में 10 लाखवें स्मार्ट मीटर के अनावरण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर पोलारिस स्मार्ट मीटरिंग ने भारत सरकार की पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के तहत एएमआईएसपी एवं बिजली वितरण परियोजनाओं में 10 लाख से अधिक स्मार्ट मीटरों के निर्माण व स्थापना का कीर्तिमान हासिल करने की घोषणा की। पोलारिस स्मार्ट मीटरिंग के संस्थापक एवं सीईओ यशराज खेतान ने कहा कि यह उपलब्धि वितरण कंपनियों और राज्य सरकारों के विश्वास तथा फील्ड टीमों के अथक परिश्रम का परिणाम है।

पोलारिस ग्रुप के चेयरमैन राजीव शर्मा ने कहा कि स्मार्ट मीटरिंग वित्तीय रूप से सुदृढ़ बिजली क्षेत्र की रीढ़ है। एटीएंडसी हानियों में कमी और अक्षय ऊर्जा के निर्बाध एकीकरण से वितरण कंपनियों के लिए टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित होगा।

उन्होंने बताया कि पोलारिस की वर्तमान विनिर्माण क्षमता 50 लाख मीटर प्रतिवर्ष है, जिसे पोलारिस नोवा इकाई के विस्तार के साथ 2026 के मध्य तक बढ़ाकर एक करोड़ मीटर करने की योजना है।